लव कांट बी इरेज्ड

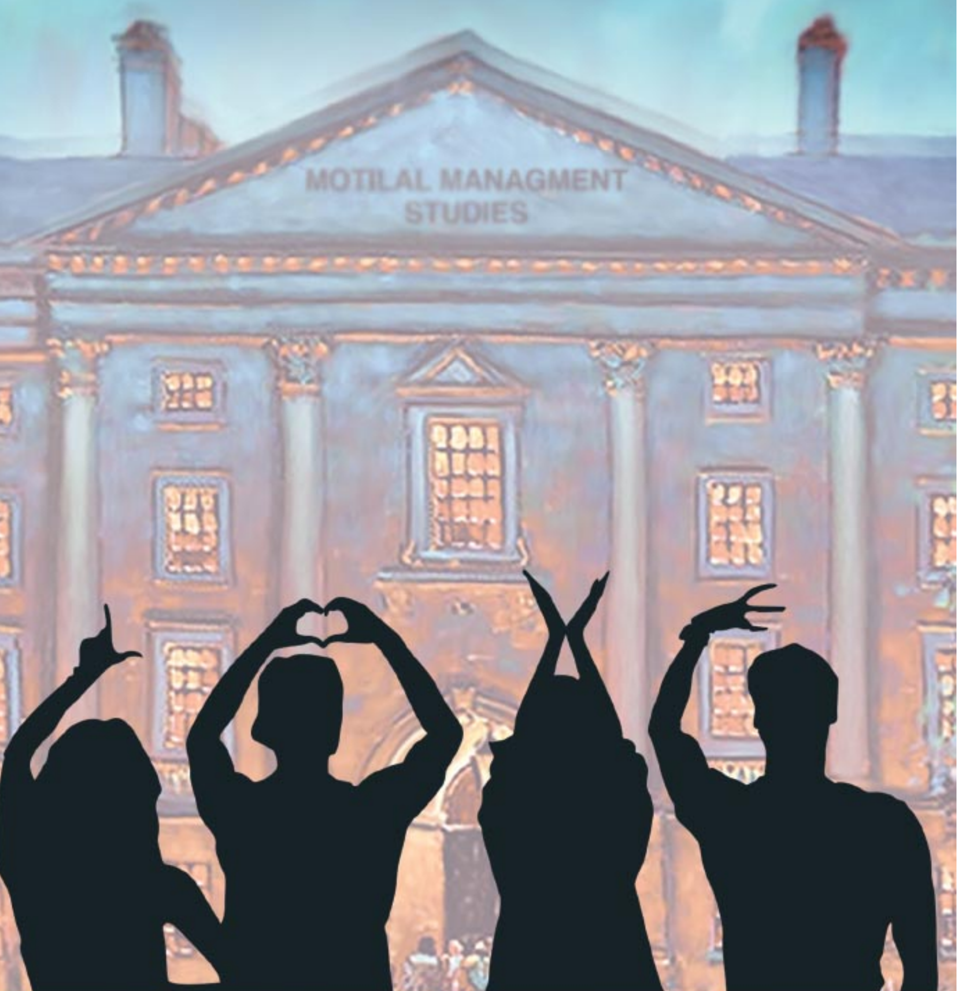

अतुल कृष्ण वर्मा

Copyright © 2020, Atul Krishna Verma
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing,
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur,
Chennai, Tamil Nadu 600016

ISBN: 978-81-946266-1-9

Library of Congress Cataloging in Publication

तालिका

स्वीकृतियाँ ix

Scene 1 1

Scene 2 3

Scene 3 9

Scene 4 15

Scene 5 18

Scene 6 22

Scene 7 26

पहला दिन 30

एक हफ्ते बाद 32

ग्रुप प्रेजेंटेशन 34

फ्रेशर पार्टी 44

हमारी दोस्ती 47

कुणाल और ऐना की लड़ाई 52

दुश्मनी के बीच इंडस्ट्रियल विजिट 61

प्लेसमेंट और पिउ की शादी 64

Scene 8..........................67

बाय मेरी प्यारी डायरी। मिस यु। 85

Scene 9..........................86

Scene 10..........................91

Scene 11..........................94

Scene 12..........................100

Scene 13..........................103

Scene 14..........................112

Scene 15..........................116

स्वीकृतियाँ

अपने लेखन की इस यात्रा के लिए मैं माँ सरस्वती जी का शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने मुझे ये काबिलियत दी कि मैं अपने विचारों को चंद पन्नो में समेटकर उन लोगों तक पहुँचा सकूँ जिनको साहित्य का शौक है।

मेरे माता पिता जिनके आशीर्वाद से मैं इस काबिल बन पाया। मेरी पत्नी वंदना वर्मा, जिन्होंने इस पूरी यात्रा में मुझे बहुत सपोर्ट किया। मेरे बड़े भाई बहनों का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने मुझे हमेशा कुछ नया लिखने के लिए प्रेरित किया। साथ में मैं अपने उन घनिष्ठ मित्रों को जो किसी न किसी किरदार के रूप में इस कहानी में सम्मिलित हैं उनको हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

अपने सुझाव व टिप्पड़ी से या मेरी खामियों को बताकर इस कहानी को कई सुंदर मोड़ देने के लिए मैं अपनी सीनियर मनीषा श्रीवास्तव जी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

दो लोग एक मेरी छोटी बहन शिखा वर्मा और दूसरा मेरा ब्रदर इन ला बब्बन वर्मा जिन्होंने ये किताब मेरे लिखन के साथ साथ में पढ़ी है, इन दोनों को मेरी तरफ से ढेर सारा प्यार।

कुछ दोस्त हैं जिनका नाम नहीं लूँगा तो मेरी पूरी लेखन की यात्रा अधूरी रहेगी- यतेंद्र, धर्मेंद्र, साहिल, स्नेहा, गौरव और स्माइली। अगर कि सी का नाम भूल गया हूँ तो माफ करना। आप लोग हमेशा मेरे दिल में रहेंगे।

मैं दीप्ति शिखा आज अपनी जिंदगी में उस केस के बारे में लिखने जा रही हूँ जो हमारे थाने की किसी फ़ाइल में दर्ज नहीं है। पर इस केस को सुलझाने में न मैं केवल पेशेवर तरीके से जुड़ी बल्कि व्यक्तिगत तौर पर भी जुड़ गई। तो आइए शुरू करते हैं उस सफर को जिसको मैंने इंवेस्टिगेट ही नहीं किया बल्कि जिया है। शुरुआत होती है आदित्य जोशी के उस वीडियो से जो उसने यूट्यूब पे डाली। पता नहीं क्या लिखता और बोलता है कि लाखों लोग उसको फॉलो करते हैं।

30 जुलाई 2014 फ़्रेण्डशिप डे पर उसने वीडियो डाली है।

"Hi Friends this is आदित्य, अगर आप मेरे वीडियोज को लाइक करते हैं तो इस वीडियो को जरूर लाइक और शेयर करें और अगर मेरे वीडियो बिना किसी भी देरी के देखना चाहते है तो नीचे दिए हुए सब्सक्राइब बटन पर जरूर क्लिक करें। मैं आप लोगों के बीच में आज फ्रेंडशिप डे पर फिर से हाज़िर हूँ अपनी कुछ पुरानी यादों के साथ। मैं आज आपके साथ उन दिनों को बाँटना चाहता हूँ जो मेरी जिंदगी के सबसे बेहतरीन दिन थे। आज इस दिन न मैं सिर्फ अपनी यादों को आप सब के साथ बाँटना चाहता हूँ बल्कि मैं आज अपने इस यूट्यूब चैनल का माध्यम से अपने उन पुराने दोस्तों से भी बात करना चाहता हूं जिनके साथ मैने वो कुछ हसीन साल गुजारे। कैसा हो अगर उन दोस्तों की याद में आप सबके साथ एक कविता शेयर की जाए। तो हाँ मैं अपने दोस्तों की याद में आप लोगों के साथ एक कविता शेयर करना चाहता हूँ। जो मैंने एमबीए खत्म होने के बाद लिखी थी।

* * *

कभी कभी बीती बातें दोहराने को मन करता है।
कभी कभी खुद में ही खुद खो जाने को मन करता है।
अपना कभी पढ़ाई से न दूर दूर तक नाता था,
फिर न जाने अब क्यों कॉलेज जाने को मन करता है।
अपने कॉलेज की वो बालाएं जिनकी अदा निराली थी,

फिर से उनकी एक झलक अब पाने को दिल करता है।
यूँ ही बात बात में उसको कितनी रात जगाया था।
आज भी उसकी रात की नींद चुराने को मन करता है।
क्या क्या सपने देखे मैने, क्या क्या मैने नहीं किया।
सारे फर्ज़ अदा करके कुछ पाने को मन करता है।

* * *

हे गाइस तुम लोग समझ ही गये होगे तुम लोगों को आज मैं कितना मिस कर रहा हूँ। छः साल बीत गए पर पता नहीं क्या था उन दो सालों में की जैसे वो मेरे मन मस्तिष्क का अभिन्न अंग बन गये हैं।

दोस्त....दोस्त थे भी इतने कमीने की उनकी हरकतों को कैसे भूलें। शायद मैनें पहले अपनी जिंदगी में कभी इतने अच्छे दोस्त बनाए ही नहीं थे। एमबीए से पहले भी तो मैंने जिंदगी के 20 बसंत देखे हैं और उसके बाद भी 6 देख चुका हूँ पर साला तुम लोगों की यादें हैं कि मिटती ही नहीं हैं।”

थोड़ा रुककर “हे विक्की कैसा है तू, जॉब कैसी चल रही है तेरी। मेरी कभी याद आती है कि नहीं तुझे, सच बताऊँ तेरे कमरे की बहुत याद आती है, कसम से, कैसे पड़े रहते थे हम लोग जमीन पर एक चादर डाल के। वो तेरा पार्टनर कैसा विनय कैसा है कितना चिढ़ता था न बेचारा हम लोगों को देखकर पर लड़का अच्छा था। और हाँ वो तुम्हारी बाई जो खाना बनाती थी, अभी भी वही बनाती है कि कोई नई रख लिया। वो तेरे शार्ट नोट बनाने की आदत अभी गयी कि नहीं, अभी भी बनाता है जॉब में। कसम से वो नोट्स हम गरीबों के लिए रामबाण हुआ करते थे।

चलो दूसरे दोस्त से मिलाते हैं हमारे ग्रुप के इंट्रप्रेनुअर कुणाल से। क्या हाल है बेटा तुम्हारे, खुद तो शादी कर ली पर मजाल क्या की किसी की लव स्टोरी में टांग न लड़ाई हो। या तो तू मेरी है, नहीं तो मैं तुझे किसी और कि होने नहीं दूंगा, गजब का फार्मूला है तेरा भी, पर तुझमे कुछ बात तो है। भाभी बुरा तो

नहीं मानेंगी मेरी बातों का, मानेंगी तो बोल देना हम देवर हैं उनके, थोड़ा मजाक तो बनता है दोस्त के साथ। मोनिका से ही शादी किया है न कि घरवालों ने किसी और से करा दी। बिज़नेस सेटअप बैठा लिया, कैसा चल रहा है सब। तुम तो जब से गये तब से आज तक कोई कांटेक्ट ही नहीं हो पाया तुमसे। बस तुम्हारे फ़ोटो ही देखता हूँ भाभीजी के साथ वाली। अपना कॉन्टैक्ट नंबर कमेंट में लिखना। तुमसे बात करना है यार कुछ पर्सनल है।

अब आते हैं उन कॉलेज की बालाओं पे जिन्होंने कितनों की निंदिया उड़ाई हुई थी। हम लोगों की नींदें उड़ाई और खुद सेटल हो गईं शादी करके, कोई पुणे, कोई सिंगापुर तो कोई कनाडा। आजकल तो पूरा फेसबुक हमारे कॉलेज की लड़कियों के हनीमून और उनके बच्चों की फ़ोटो से भरा पड़ा है। देखता रहता हूँ मैं। बताओ जब शादी ही करनी थी तो एमबीए करने की क्या जरूरत थी।

मेरी सबसे फेवरेट दोस्त पिउ दास आजकल सिंगापुर में है। थोड़ी पागल है। इंडियन आइडल बनने के सपने देखती थी और वो इतना टैलेंटेड है भी की आज अभी अगर पूरी इच्छाशक्ति के साथ जुट जाए तो उसको कोई रोक नहीं पाएगा इंडियन आइडल बनने से, ये मेरा विश्वास है। एक बार फिर तुमसे बहुत मिलने का मन कर रहा है। तुम्हारे गानों को सुनने का मन हो रहा है।

ऐना ने तो ऑनलाइन रिटेल स्टोर खोला है न कपड़ो का। काफ़ी अच्छा कर रही है। दिशा कैसी है। वो तो इलाहाबाद में ही है न विक्की किसी बैंक में, तुम तो मिलते होगे उससे। बड़ी प्यारी हो तुम दिशा। तुमको देख के जिंदगी का एक नया आयाम मिलता है। दोस्तों ये दिशा जी हैं, एक परफेस्ट लड़की, हमेशा अच्छा सोचती हैं, अच्छी सलाह देती हैं। जिंदगी को लेकर इनके फंडे एकदम क्लियर हैं। लोग कहते हैं सुंदर लड़कियों में दिमाग नहीं होता। दिशा से मिलने के बाद वो अपना स्टेटमेंट भूल जाएंगे, इसकी मैं गारंटी देता हूँ।

चलो थोड़ा सा विक्की, कुणाल, पिउ, दिशा और ऐना से मुखातिब होना चाहता हूँ।

गाइस मैं तुम लोगों को बहुत मिस कर रहा हूँ यार। मुझे लगता है तुम लोग भी मिस करते होगे। रियूनियन प्लान करते हैं, फिर से एक बार उन अधूरे सपनों को जीने का मन कर रहा है जो हम लोगों ने कैंपस में बैठ के देखे थे। वीडियो थोड़ा लंबा हो रहा है। नेक्स्ट वीक मैं आज के ही दिन एक वीडियो और डालूँगा जिसमें आप लोगों को रियूनियन की जगह के बारे में जानकारी दूँगा। तब तक के लिए लव यू आल, आई विल वेट फ़ॉर यु आल मेरी जान। टेक केअर।

कहानी के बारे में

ये एमबीए करने वाले छः दोस्तों की कहानी है जिनकी सोच एक दूसरे से बिल्कुल अलग है पर साथ में रहते हैं। इसमें कॉलेज में मस्ती, प्यार दोस्ती और कॉलेज लाइफ खत्म होने के बाद कैरियर बनाने की धुन। कई साल बीत जाने के बीच कुछ ऐसी घटनाएँ घटती हैं कि जो उनके प्यार और दोस्ती का इम्तिहान लेती हैं। उन सबकी जिंदगी वापस पटरी से उतर जाती हैं और शुरू होता है अनगिनत सवालों का सिलसिला जो आपको हर पल बाँधकर रखेगा।

Scene ①

आदित्य को अभी वीडियो अपलोड किए हुए मुश्किल से 20 मिनट भी नहीं हुए होंगे कि उसको विकास का कॉल आ गया।

"हेलो" आदित्य बोला।

"क्या हाल है भाई" उधर से विकास की आवाज आयी "बड़ा वीडियो सीडीओ डाल रहा है आजकल। तू ठीक तो है न"

"मैं ठीक हूँ, तू बता कैसा है। तुम लोगों की याद आ रही थी तो सोचा वीडियो बना के डाल दूँ। एक रीयूनियन का प्लान बना न इलाहाबाद में सबके साथ" मैंने बोला।

मेरी इतनी बात सुन के वो जोरदार ठहाका लगाकर हँसा।

"अबे हमारी याद आ रही है कि ऐना की" वो फिर से हंसने लगा।

"भाई तू कुछ भी समझ पर तुम लोगों की आजकल बड़ी याद आ रही है" आदित्य उसके मजाक को इग्नोर करते हुए बोला।

"अबे इतनी याद आ रही है तो रात की ट्रेन पकड़ के आजा। मैं भी हूँ, दिशा भी यहीं है, दोनों से मिल लियो और निकल लियो जब दिल भर जाए। तेरे भाई का कमरा अभी भी खाली है" उसने कहा।

"न, मिलेंगे तो सारे लोग" आदित्य बोला।

"आजा तेरे लिए सुरा और सुर वाली दोनों की व्यवस्था कर दूँगा" विकास बोला।

"अबे वो तो यहाँ भी मिल जाती है" आदित्य बोला "मुझे तो ये देखना है मोतीलाल के उन दिनों में कितना दम है। क्या हम लोग केवल एमबीए की वजह से साथ थे या आपस में प्यार भी था। मुझे दोस्तों को आजमाना है"

"अबे दोस्तों को आजमाएगा तू" विकास ने व्यंग के अंदाज में बोला।

“नहीं भाई आजमाना ही है। नहीं आजमाया तो जिंदगी की फिलासफी बदल लूंगा” आदित्य बोला।

“हुआ क्या है तुझे” विकास बोला।

“बस मिलना है तो मिलना है” आदित्य विकास से बच्चों की तरह जिद कर रहा था।

“चल ठीक है मैं कुछ करता हूँ, पर बोतल पड़ी है आजा। रियूनियन भी प्लान कर लेंगें” विकास बोला।

“नहीं रे, पहले रियूनियन। पिउ, और कुणाल को लाने की जिम्मेदारी मेरी। दिशा की तेरी” आदित्य बोला।

“और ऐना की” विकास ने आश्चर्य में पूछा “प्लानिंग तेरी और बुलाऊँ मैं”

“भाई सम झाकर उससे बात करने की हिम्मत ही नहीं हुई एमबीए के बाद से, प्लीज यार तू इतना कर दे” आदित्य गिड़गिड़ाया।

“भाई कॉलेज के बाद से उससे मेरी भी बात नहीं हुई है बोलेगी की आज याद आयी रियूनियन करने की” विकास बोला “तू तो उसको जानता ही है कि कितना खींचेगी मुझे”

“देखो मैं ऐना के बारे में तुमसे रीयूनियन तक बात नहीं करूँगा, लाना न लाना तेरी मर्जी” आदित्य बोला।

“चल ठीक है, तुमको कॉल करता हूँ, एक बार दिशा से बात करूँ फिर बताता हूँ” विकास बोला।

“अबे तुझे दिशा से भी बात करनी पड़ेगी” आदित्य बोला।

You’ve Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com